

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *306
21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

किलकारी कार्यक्रम

*306. डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:

श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विशेषकर महाराष्ट्र के संभाजी नगर जिले और संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली जिले सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार किलकारी कार्यक्रम किस तारीख को शुरू किया गया है और इसमें कौन-कौन से राज्य शामिल हैं;
- (ख) किलकारी कार्यक्रम से देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान किस प्रकार होता है;
- (ग) क्या उक्त कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सफलतापूर्वक संचालित कॉल सेवाओं से अब तक उक्त कार्यक्रम की समग्र पहुंच और प्रभावशीलता पर असर पड़ा है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

21 मार्च, 2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.*306 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): किलकारी कार्यक्रम डिजिटल इंडिया पहल के एक भाग के रूप में दिनांक 15 जनवरी, 2016 को शुरू की गई एक मोबाइल आधारित सेवा है, जिसका उद्देश्य नई गर्भवती और गर्भावस्था के लिए आशान्वित माताओं को गर्भावस्था, प्रसव और शिशु स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में सीधे उन्हीं तक संदेश पहुंचाकर उन्हें नवजात शिशु स्वास्थ्य परिचर्या के लिए स्वस्थ विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

यह एक ऑडियो आधारित सेवा है और इसलिए इसमें ग्रामीण भारत की साक्षरता संबंधी चुनौतियां पैदा नहीं होती। किलकारी कार्यक्रम के अंतर्गत आरसीएच पोर्टल में पंजीकृत महिलाओं को इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पॉंस (आईवीआर) के माध्यम से गर्भावस्था, प्रसव और बच्चे की स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में निःशुल्क, साप्ताहिक, समय के अनुकूल ऑडियो संदेश भेजे जाते हैं। संदेश भेजना गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में शुरू होता है और तब तक जारी रहता है जब तक बच्चा एक वर्ष का नहीं हो जाता। गर्भवती माँ का डेटा आरसीएच पोर्टल से किलकारी तक वेब सेवा के माध्यम से लाया जाता है जिसे दोनों एप्लिकेशनों के बीच कार्यान्वित किया गया है।

इस कार्यक्रम में माताओं और परिवारों को गर्भावस्था और शैशवास्था के दौरान अपनाए जाने वाले व्यवहार और आदतों के बारे में जानकारी दी जाती है। साप्ताहिक संदेश परिवारों को इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान प्रत्येक सप्ताह के लिए प्राथमिकता वाले कार्यों के बारे में शिक्षित करने, उन्हें याद दिलाने और इन पर विशेष ध्यान दिलाने में मदद करते हैं। इस कार्य में न केवल गर्भवती महिलाओं और बच्चों के जीवन को कई जोखिमों से बचाया जा सकता है बल्कि इससे स्वस्थ परिणाम मिलने भी सुनिश्चित होते हैं।

किलकारी परियोजना वर्तमान में 27 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों अर्थात् आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड में चालू है। वर्तमान में, किलकारी कार्यक्रम 13 भाषाओं अर्थात् असमिया, बंगाली, भोजपुरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कोंकणी, मराठी, मैतेई, मिज़ो, उड़िया, तेलुगु और अंग्रेजी में चल रहा है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान किलकारी परियोजना के अंतर्गत प्राप्त सफल कॉलों की संख्या नीचे दी गई है:

किलकारी के तहत प्राप्त सफल कॉल

क्र.सं.	वर्ष	सफल कॉलों की कुल संख्या
1	2017-18	6,44,29,759
2	2018-19	8,34,19,787
3	2019-20	8,00,04,848
4	2020-21	7,32,10,598
5	2021-22	4,75,45,063
6	2022-23	7,71,16,051
7	2023-24	9,80,83,574
8	2024-25 (25 फरवरी तक)	16,22,94,406

महाराष्ट्र राज्य में वित्त वर्ष 2024-25 (फरवरी 2025 तक) में कुल 1,77,65,144 सफल कॉल प्राप्त की गईं और महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में 7,54,094 सफल कॉल प्राप्त की गईं। इसी तरह, संघ राज्य क्षेत्र दादर और नगर हवेली और दमन और दीव में वित्त वर्ष 2024-25 (फरवरी 2025 तक) में कुल 59,414 सफल कॉल प्राप्त की गईं और दादरा और नगर हवेली जिले में 35,097 सफल कॉल प्राप्त की गईं।

अपनी अनूठी प्रकृति के कारण ये कॉल सभी राज्यों में माताओं और परिवारों के लिए मददगार साबित हुई हैं। ऑडियो संदेशों के माध्यम से दी गई जानकारी प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर परिचर्या के साथ-साथ पोषण के मामले में भी मददगार है। संदेश विशेष रूप से प्रत्येक लाभार्थी की गर्भावधि के अनुसार तैयार किए गए थे, जिससे उन्हें अपने महत्व का अहसास हुआ। ये संदेश लाभार्थियों को उचित स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में समय पर जानकारी देने में मददगार थे। किलकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए लाभार्थियों को जोड़ने के आशा के काम को पूरकता प्रदान की है और उन पर बोझ कम किया। परिवारों को किलकारी के निरंतर समर्थन से व्यवहार में बदलाव आया है और सेवा उपयोग में भी सुधार हुआ है। यह महामारी के दौरान भी उपयोगी साबित हुआ है जब स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने को प्रोत्साहित करने के लिए स्वयं जाना और जागरूकता अभियान चलाना मुश्किल था।
